

WORLD SUICIDE PREVENTION DAY 2026

Organised by GRIID in collaboration with the NSS Unit of GRIID College
Theme: *Suicide Prevention, Emotional Well-being and Mental Health Awareness*

The **Government Rehabilitation Institute for Intellectual Disabilities (GRIID), College of Excellence, Chandigarh**, observed **World Suicide Prevention Day 2026** on **10 September 2026** in collaboration with the **NSS Unit of GRIID College**.

The programme focused on **suicide prevention, emotional well-being and mental health awareness**. **Dr. Ajeet Sidana, Joint Director, GRIID**, addressed the gathering and sensitised participants about recognising signs of emotional distress, the importance of timely help-seeking, and available mental-health support services, including **Tele-MANAS and the AASHA Helpline**.

A **Nukkad Natak (Street Play)** was presented by the students to convey meaningful messages on emotional well-being, empathy, open communication, suicide prevention and the importance of seeking professional support. An **oath-taking ceremony** was also conducted, reaffirming the participants' commitment to promoting mental health and supporting individuals experiencing emotional distress.

The programme was graced by **Dr. Ajeet Sidana, Joint Director, GRIID**; **Dr. M. Karuppasamy, HOD-cum-Course Coordinator, GRIID College**; **Sh. Anil Kumar, Principal, Special School GRIID**; **Ms. Ramanjot, GRIID Child Development Clinic In-charge**; and **Ms. Rakhi, Superintendent (Academics)**. Faculties, Special Educators, Umeed staff members, staff from GRIID, students from College and Special School and NSS volunteers actively participated in the programme.

The programme was coordinated under the guidance of **Dr. M. Karuppasamy and Ms. Niharika, NSS Programme Officers**.

The event successfully promoted awareness about **mental health, emotional well-being, empathy, early intervention and timely access to professional support**, reinforcing the message that **every life matters and no one should face emotional distress alone**.



विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस : नुककड़ नाटक से दिया

चंडीगढ़, 10 सितंबर (पाल) : मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्रिड कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शपथ से हुई। इसके बाद ग्रिड परिसर के रिसेशन एरिया में एन.एस.एस. वालंटियर्स ने नुककड़ नाटक पेश कर मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सहयोग और समय पर मदद लेने का संदेश दिया।

नुककड़ नाटक के जरिए बताया गया कि अगर कोई व्यक्ति भावनात्मक परेशानी से गुजर रहा है तो उसकी बात को गंभीरता से सुनना चाहिए और उसे अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। समय पर मदद मिलने से मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने में मदद मिल सकती है।



प्रोफेशनल और भावनात्मक मदद लेने में झिझक नहीं करनी चाहिए

कार्यक्रम में ग्रिड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. अर्जीत सिदानी ने टेली मानस मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन और आशा हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परेशानी या संकट के समय प्रोफेशनल और भावनात्मक मदद लेने में झिझक नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम एन.एस.एस. प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. एम. कठुप्पासामी और एन.एस.एस. प्रोग्राम ऑफिसर निहारिका के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। स्कूल प्रिंसिपल अनिल, ग्रिड के स्टाफ, एन.एस.एस. वालंटियर्स और संस्थान के अन्य सदस्यों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

खामोशी नहीं, संवाद बचाएगा जिंदगी

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जीएमसीएच और ग्रिड कॉलेज में कार्यक्रम

भाई मिहो रिपोर्टर

चंडीगढ़। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जीएमसीएच और ग्रिड कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सेक्टर-31-बी में आयोजित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने, सामूहिक कार्यक्रमों का आयोजन के माध्यम से लोगों को भावनात्मक सहयोग देने और समय पर वैध मदद लेने का संदेश दिया गया।

जीएमसीएच के मेडिकल विभाग ने स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया। समीक्षा की परामर्श प्रदाताओं ने मरीजों के संदेश प्रदान किए गए। इसकाय बोर्ड के अध्यक्ष



जीएमसीएच-32 और ग्रिड में आयोजित सब में कार्यक्रमों का करते दिखाएँ। (अनिल)

संस्थापकों ने रोकथाम के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता एवं मनोवैज्ञानिक रोकथाम के प्रोफेशनल मानसिक स्वास्थ्य और जलवायु अर्थिक को

मदद के तरीकों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में निदेशक-प्रमुख डॉ. एन.एस.एस. और निदेशक-प्रमुख डॉ. विद्यालक्ष्मी और प्रमुख विभागप्रमुख डॉ. अशोक मिश्रा एवं डॉ. प्रो. वी.एस.एस.